Master of Arts (Hindi)

PROGRAMME GUIDE

INDEX

- INTRODUCTION 3
- PROGRAMME CODE 3
- PROGRAMME DURATION 3
- MEDIUM OF INSTRUCTION 3
- SCHEME OF THE PROGRAMME 4
- SYLLABUS OF PROGRAMME 5-20

INTRODUCTION

In the current area of modernization and westernization, we are turning apart from our own roots. One of the best examples is our deviation from national language Hindi. Overemphasis on the technical subjects has resulted in dearth of qualified people in the field of Hindi language. Nowadays there is a excessive demand of manpower with the expertise in Hindi especially in the field of translation as well as in teaching. So the current course caters to this need. The aim of M.A Hindi is to upgrade the student's knowledge in Hindi language and to enable them to use this deep knowledge practically in daily life.

ACADEMIC OBJECTIVES

M.A Hindi programme has been formulated especially for those students who want to go for teaching or translation work. The programme mainly aims to develop deep knowledge of Hindi among students. Through this programme, students will be able to know about the origin of Hindi language out of ancient language, scientific bases of Devnagri script, linguistics and ancient, medieval and current form of poetry as well as prose etc. Upon completion of this course, students will have acquired a firm understanding of the major areas of knowledge including:

- Origin and development of Hindi language
- Development of prose through ages
- Development of poetry through ages
- Concepts of linguistics
- Application of Hindi in journalism
- History of Hindi literature

PROGRAMME CODE: 442G

DURATION OF THE PROGRAMME:

Minimum Duration 2 Years

Maximum Duration 5 Years

MEDIUM OF INSTRUCTION/ EXAMINATION:

Medium of instruction and Examination shall be **Hindi**.

Scheme					
COURSE CODE	**COURSE TITLE**	**Cr.**	**CA**	**ETE(Th.)**	**ETE(Pr.)**
FIRST YEAR					
DHIN401	हिन्दी साहित्य का इतिहास	8	20	80	0
DHIN402	प्रचीन एंव मध्य कालीन काव्य	8	20	80	0
DHIN403	क्था साहित्य एवं निबन्ध	8	20	80	0
DHIN404	साहित्य शास्त्र (भारतीय और पाश्चात्य)	8	20	80	0
SECOND YEAR					
DHIN501	भाषा विज्ञानं एंव हिंदी भाषा	8	20	80	0
DHIN502	आधुनिक काव्य	8	20	80	0
DHIN503	नाटक एवं कथेतर गद्य	8	20	80	0
DHIN504	अनुवाद एवं कार्यालयी हिंदी	8	20	80	0
TOTAL CREDITS		**64**			

Course Code:	D	H	I	N	4	0	1	Course Title:	हिन्दी साहित्य का इतिहास

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन,सीमा निर्धारण एवं नामकरण
2	हिन्दी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन एवं नामकरण की समस्या
3	आदिकाल नामकरण एवं काल सीमा निर्धारण
4	आदिकालीन परिस्थितयों
5	आदिकालीन साहित्य परम्परा : जैन,सिद्व एवं नाथ साहित्य,रसो साहित्य
6	आदिकालीन काव्य रुप : अमीर खुसरो,चन्दबरदाई विद्यापति एवं अबदुर्रहमान की कविता
7	आदिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएं
8	आदिकालीन साहित्य का परवर्ती काव्य पर प्रभाव
9	पूर्व मध्यकाल (भकित काल) भकितकालीन परिस्थितयों एवं भकित के उदय के कारण
10	निर्गुण भकित साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं प्रमुख विशेषताएं, प्रमुख संत कवि एवं उनका योगदान
11	हिन्दी सूफी काव्य परम्परा : वैचारिक आधार हिन्दी प्रेमखयानों की परम्परा,सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन
12	प्रमुख सूफी कवि एवं काव्य प्रवृतियों
13	राय एवं कृष्ण काव्य धारा: प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृतियों,अष्ठछाप के प्रमुख कवि
14	भकितकालीन हिन्दी : भकितकाल स्वर्ण युग के रुप में
15	भकितकालीन अन्य साहित्यक प्रवृतियां
16	रीतिकाल: प्रमुख प्रवृतियां दरबारी संस्कृति एवं लक्षण ग्रन्थों की परम्परा
17	रीतिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृतियां- रीतिबद्व,रीतिसिद्व एवं रीतिमुकित
18	रीतिकालीन कवियों का जीवन - प्रमुख कवि एवं उनकी काव्यगति विशेषताएं
19	आधुनिक काल :1857 ई ० का रचाधीनता संग्राम एवं हिन्दी नवजागरण
20	भारतेन्दु युग: प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृतियां
21	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं उनका युग,राष्ट्र काव्यधारा एवं समकालीन कविता
22	छायावाद,उतर छायावादी काव्य प्रवृतियां: प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नई कविता एवं समकालीन कविता
23	आधुनिक काल(गद्य साहित्य) :हिन्दी गद्य का उद्भाव एवं विकास
24	हिन्दी उपन्यास : विकास के प्रमुख चरण,हिन्दी कहानी का विकास
25	हिन्दी नाटक का विकास एवं प्रमुख रचनाकार
26	हिन्दी निबन्ध का विकास एवं प्रमुख रचनाकार
27	हिन्दी आलोचना का विकास एवं प्रमुख रचनाकार
28	गद्य साहित्य की अन्य विधाएं-रेखाचित्र,जीवनी,संस्करण का विकास
29	आत्मकथा एवं रिर्पोतज का विकास

30	साक्षात्कार एवं फीचर लेखन का विकास
31	स्वातत्रंयोतर गद्य साहित्य का विकास
32	आधुनिक युग का गद्य साहित्य

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. शुकल,रामचद्र (2009) हिन्दी साहित्य का इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. नगेद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।

3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का इतिहास,बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्,पटना।

4. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, (2008) हिन्दी साहित्य की भूमिका,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

5. वर्मा, रामकुमार, (2009) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. मिश्र,विश्वनाथ प्रसाद हिन्दी साहित्य का अतीत,वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

7. शर्मा,रमेश चन्द्रहिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास,विद्या प्रकाशन,कानपुर।

8. इंदु,विहणु शरण साहित्य का भकितकाल और रीतिकाल: संधिकालीन प्रवृतिया,विभु प्रकाशन,साहिबाबाद।

9. पांडेय,राजकिशोर (1971) हिन्दी साहित्य का उत्तरमध्युग, हिन्दी साहित्य भण्डार का इतिहास,प्रकाशन, इलाहाबाद।

10.सिंह,बच्चन (2007) आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, प्रकाशन लोकभारती,इलाहाबाद।

Course Code:	D	H	I	N	4	0	2	Course Title:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	क्बीरदास की काव्यगत विशेषताएं, क्बीरवाणी- केवल साखीभाग की सप्रंसग व्याख्या
2	क्बीर की भाषा शैली
3	क्बीर की भकित भावना
4	क्बीर वाणी की तात्विक समीक्षा
5	सूरदास की काव्यगत विशेषताएं
6	सूरदास की भकित भावना
7	सूरसागर का सार (गोकुल लीला)
8	सूरसागर के प्रमुख पद्याशें की सप्रंसग व्याख्या (गोकुल लीला)
9	सूरसागर की तात्विक समीक्षा,शिल्प विधान
10	तुलसीदास की लेखन कुशलता एवं धाव्यात्मक योगदान
11	रामचरितमानस- उतराखण्ड दोहा सप्रंसग व्याख्या
12	तुलसीदास की भकित भावना
13	जायसी की लेखन कुशलता
14	पदमावत का सारांश
15	पदमावत – सिंहलदीप वर्णन,खण्ड,सार,प्रमुख पद्याशें की प्रंसग व्याख्या
16	पदमावत - नागमति वियोग,खण्ड,सार,प्रमुख पद्याशें की प्रंसग व्याख्या
17	पदमावत - बादल युद्ध,खण्ड,सार,प्रमुख पद्याशें की प्रंसग व्याख्या
18	भ्रमरगति - प्रथम 30 पदों की सप्रंसग व्याख्या
19	भ्रमरगति की भाषा शैली
20	भ्रमरगति का अलंकार विधान
21	भ्रमरगति की तात्विक समीक्षा
22	मीरा मुकितवाली : पद संखया 21 से 70 तक की सप्रंसग व्याख्या
23	मीरा की भकित भावना
24	मीरा मुकितवाली का शिल्प विधान

25	मीरा मुकितवाली का भाव पक्ष एवं कला पक्ष
26	मीरा मुकितवाली- भाषा शैली
27	धनानंद की लेखन कुशलता एवं काव्यात्मक योगदान
28	धनानंद कवित्त- प्रथम 50 पदों की सप्रंसग व्याख्या
29	धनानंद कवित्त का सार,धनानंद कवित्त में भकित भावना
30	धनानंद कवित्त की भाषा शैली
31	धनानंद कवित्त का शिल्प विधान
32	धनानंद कवित्त का भाव पक्ष एवं कला पक्ष

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. तिवारी,पारसनाथ क्बीर वाणी,,अनीता प्रकाशन,नई सडक,दिल्ली।
2. सूरदास-सूरसागर
3. तुलसीदास- रामचरितमानस
4. मलिक मुहम्मद-जायसी पदमावत
5. मीरा-मीरा मुकितवाली
6. चंडक, रामनिवास **(1978)** कबीर **(**जीवन और पर्शन**)**, नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणासी।
7. वर्मा, रामकुमार, कबीर एक अनुशीलन,साहित्य भवन, इलाहाबाद।
8. शुकल,रामचद्र**(1960)** जायसी ग्रथावली,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणासी।
9. गौतम,मनमोहन**(1963)** सूर की काव्य कला,भारतीय मंदिर।
10. पाव्डेय,सुधाकर रामचरितमानस**:** साहित्यिक मूल्यांकन राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।

Course Code:	D	H	I	N	4	0	3	Course Title:	कथा साहित्य एवं निबंध

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	मुशी प्रेमचंद की लेखन कुशलता एवं साहित्यक योगदान
2	गोदान : कथावस्तु
3	गोदान : उद्देश्य,मुख्य समस्या एवं सभी पात्रों का चरित्र चत्रिण
4	गोदान : संवाद योजना एवं आलोचनात्मक समीक्षा
5	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी की लेखन कुशलता
6	बाणभट्ट की आत्मकथा की कथावस्तु का सारांश
7	बाणभट्ट की आत्मकथा का कलात्मक सौन्दर्य
8	बाणभट्ट की आत्मकथा: सभी पात्रों का चरित्र चत्रिण
9	बाणभट्ट की आत्मकथा: संवाद योजना
10	बाणभट्ट की आत्मकथा: तात्विक समीक्षा
11	कणीखरनाथ रेणु की लेखन कुशलता एवं साहित्यक योगदान
12	मैला आंचल : कथावस्तु /कथासाहित्य
13	मैला आंचल की आंचलिकता
14	मैला आंचल: उद्देश्य एवं सभी पात्रों का चरित्र चत्रिण
15	मैला आंचल: संवाद योजना
16	मैला आंचल : तात्विक समीक्षा
17	भीष्म साहनी की लेखन कुशलता एवं साहित्यक योगदान तमस: नामकरण एवं मुख्य उद्देश्य
18	तमस: कथावस्तु का सारांश
19	तमस की साम्प्रढायिकता
20	तमस : संवाद योजना एवं भाषा शैली
21	तमस : तात्विक समीक्षा
22	मन्नु भंडारी की लेखन कुशलता
23	आपका बंटी की कथावस्तु का सारांश
24	आपका बंटी का उद्देश्य एवं प्रमुख्य समस्या
25	आपका बंटी : सभी पात्रों का चरित्र चत्रिण
26	आपका बंटी : संवाद योजना,भाषा शैली एवं तात्विक समीक्षा
27	प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियां : कहानियां का सार एवं प्रमुख्य पात्रों का चरित्र चत्रिण
28	आचार्य रामचद्र शुकल का साहित्यक योगदान
29	चिन्तामणि (श्रद्धा,भकित,लोभ,प्रीति,लज्जा-ग्लानि) शीषर्क निबंधों का सार एवं प्रमुख्य गद्याशें की सप्रंसग व्याख्या
30	विष्णु प्रभाकर की लेखन कुशलता, जीवनी अवारा मसीहा: कथावस्तु,उद्देश्य एवं नामकरण
31	अवारा मसीहा के प्रमुख्य गद्याशें की सप्रंसग व्याख्या एवं प्रमुख्य पात्रों का चरित्र चत्रिण
32	यात्रा वृतान्त : चीढों पर चांदनी (कथावस्तु,उद्देश्य, भाषा शैली, प्रमुख्य गद्याशें की सप्रंसग व्याख्या)

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. प्रेमचंद (2006) गोदान, डायमंड पोकट बुकस (प्रा.) लि नई दिल्ली।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद(2008) बाणभट्ट की आत्मकथा, राजकमल प्रकाशन (प्रा.) लि नई दिल्ली।
3. रेणु,कणीखरनाथ(1975) मैला आंचल,नेशनल बुक ट्रस्ट।
4. साहनी,भीष्म(2008) तमस,राजकमल प्रकाशन (प्रा.) लि नई दिल्ली।
5. भंडारी,मन्नु(2007) आपका बंटी,राधाकृष्ण प्रकाशन (प्रा.) लि नई दिल्ली।
6. प्रभाकर,विष्णु अवारा मसीहा,राजकमल एण्ड सन्ज,दिल्ली।
7. वर्मा,निर्मल चीढों पर चांदनी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली।
8. प्रेमचंद (1994) प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियां, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली।

Course Code:	D	H	I	N	4	0	4	Course Title:	साहित्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	साहित्य का स्वरुप एवं काव्ययाग,काव्य लक्षण,साहित्य एवं समाज
2	काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार-प्रबन्ध एवं मुक्तक काव्य
3	उपन्यास के तत्व एवं वर्गीकरण
4	क्हानी के तत्व एवं वर्गीकरण
5	नाटक के तत्व एवं वर्गीकरण
6	निबंध के तत्व एवं वर्गीकरण
7	एकाकी,आत्मकथा,जीवनी का परिचय,विशेषताएं एवं तत्व
8	रेखाचितण संस्करण तथा रिर्पोतजि का परिचय : विशेषताएं एवं तत्व
9	भारतीय काव्य शास्त्र का परिचय
10	रस सिद्वान्त
11	रस का स्वरुप,रस निष्पति एवं इसके अंग
12	साधारणीकरण की अवधारणा
13	भारतीय काव्य शास्त्र : अंलकार का सिद्वान्त- अंलकारों का वर्गीकरण
14	ध्वनि का सिद्वान्त-ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद
15	रीति का सिद्वान्त- रीति की अवधारणा, काव्य गुण
16	वक्रोविन्त का सिद्वान्त- वक्रोविन्त की अवधारणा एवं वक्रोविन्त के भेद
17	औचित्य का सिद्वान्त : अवधारणा एवं भेद
18	हिन्दी समीक्षा की पृष्ठभूमि : लक्षण काव्य का परिचय एवं प्रमुख विशेषताएं
19	आचार्य का सिद्वान्त : अवधारणा एवं भेद
20	चिन्तामणि का काव्य शास्त्रिय चिन्तन
21	देव एवं भिखारीदास का काव्य शास्त्रिय चिन्तन
22	हिन्दी के प्रमुख आलोचकों का हिन्दी साहित्य में योगदान एवं लेखन कुशलता की विशेषताएं- आचार्य रामचद्र शुकल
23	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की लेखन कुशलता एवं उनका साहित्यक योगदान
24	महादेवी वर्मा,डां नगेन्द्र की लेखन कुशलता एवं साहित्यक योगदान
25	डां रामविलास शर्मा, अज्ञेय एवं जयशंकर प्रसाद की लेखन कुशलता एवं उनका साहित्यक योगदान

26	पारचात्य साहित्य शास्त्र- अरस्तु का अनुकरण और विरेचन सिद्वान्त
27	लोजइनस की उदात की अवधारणा
28	अरस्तु - अनुकरण सिद्वान्त,त्रासदी विवेचन
29	आई.ए .रिचर्डस का सम्प्रेषण सिद्वान्त टी.एस. इलियंट का निर्वेयकितकता का सिद्वान्त
30	प्रमुख आधुनिक साहित्यवाद - स्वछन्दतावाद,मार्कसवाद
31	अस्तित्ववाद,मनोविश्लेषणवाद
32	आधुनिकतावाद/उतर आधुनिकता

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. चौधरी सत्येन्द्र एवं गुप्त शान्ति स्वरुप (1978) भारतीय तथा पारचात्य काव्य शास्त्र,अशोक प्रकाशन,दिल्ली।
2. डां नगेन्द्र काव्य में उदात तत्व,आर्य बुक पब्लिशिग हाउस दिल्ली।
3. डां नगेन्द्र रस सिद्वान्त,नेशनल पब्लिशिग हाउस दिल्ली।
4. चौधरी सत्यदेव भारतीय काव्य शास्त्र,साहित्य सदन,झासी।
5. सिंह बचन आलोचना और आलोचक,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
6. जैन निर्मला नई समीक्षा के प्रतिमान नेशनल पब्लिशिग हाउस,दिल्ली।
7. तिवारी, रामचन्द आलोचक का दायित्व विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
8. दीक्षित,भागीरथ समीक्षालोक इन्दप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
9. शर्मा देवेन्दनाथ पाश्चात्य काव्य शास्त्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस दिल्ली।
10. भारद्वाज,मैथिली प्रसाद पाश्चात्य समीक्षा के सिद्वान्त,हरियाणा साहित्य अकादमी,चंण्डीगढ।

Course Code:	D	H	I	N	5	0	1	Course Title:	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा,अर्थ, प्रकृति,महत्व एवं विशेषताएं
2	भाषा संरचना एवं भाषा के आधार
3	भाषा विज्ञान का रचरुप एवं क्षेत्र,भाषा विज्ञान के अध्यन की दिशाएं वर्णनात्मक,ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक
4	भाषा की उत्पति एवं भाषा – विकास के कारण
5	भाषा के विविध रुप – उच्चरित एवं लिखित भाषा,मातृभाषा,राष्ट्रभाषा,राजभाषा,बोली एवं अन्तर –राष्ट्रीय भाषा
6	ध्वनि की परिभाषा एवं उसका वैज्ञानिक आधार, ध्वनि की उत्पति प्रकिया एवं ध्वनि यंन्त्र
7	ध्वनि के प्रकार : स्वरों का वर्गीकरण,व्यजनों का वर्गीकरण
8	ध्वनि परिर्वतन के कारण एवं दिशाएं, हिन्दी की ध्वनियां- वर्गीकरण व परिचय
9	रुप विज्ञान – शब्द और उनकी रुप रचना
10	पद निर्माण पद्धति और उसके भेद
11	शब्द और अर्थ का सम्बन्ध,शब्द के प्रकार
12	रुप परिर्वतन की दिशाएं
13	वाक्य की अवधारणा, वाक्य परिर्वतन के कारण एवं दिशाएं
14	वाक्य के भेद,वाक्य विश्लेशण, वाक्य के प्रकार
15	अर्थ विज्ञान की अवधारणा,शब्द और अर्थ का सम्बन्ध
16	अर्थ परिर्वतन के कारण एवं दिशाएं
17	हिन्दी एवं भारतीय भाषा परिवार(अर्थ,प्रविड,नाग)
18	प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएं-उद्रभव एवं विकास
19	संस्कृत,पालि, प्राकृत अपंभ्रश और उसकी विशेषताएं
20	आधुनिक,आर्य भाषाएं आर्य भाषाएं एवं उनका वर्गीकरण
21	आधुनिक,आर्य भाषाएं का भौगोतिक विस्तार एवं परिचय
22	हिन्दी का भौगलिक विस्तार एवं परिचय
23	हिन्दी की उपभाषाओं.पश्चिमी हिन्दी एवं पूर्वी हिन्दी

24	हिन्दी की प्रमुख बोलियां
25	हिन्दी भाषा के विविध रुप
26	सम्पर्क भाषा,राष्ट्र भाषा
27	हिन्दी की संवधैनिक स्थिति
28	भाषा एवं लिपि का सम्बन्ध
29	भारत की प्राचीन लिपियां(बाछमी एवं खरोष्ठी)
30	देवनागरी लिपि का नामकरण
31	देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता अथवा गुण
32	देवनागरी लिपि के दोष एवं सुधार एवं देवनागरी का वर्तमान मानक रुप

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. तिवारी भोलानाथ,**(1978)**भाषा विज्ञान,किताब महल,इलाहाबाद।
2. सकसेना,बाबूराम सामान्य भाषा विज्ञान,साहित्य सम्मेलन,प्रयाग,इलाहाबाद।
3. दास, श्याम सुन्दर**(2010)** भाषा रहस्य,इडियन प्रेस प्राइवेट लिमिटेड,प्रयाग,इलाहाबाद।
4. मिश्र नरेश, भाषा विज्ञान और हिन्दी,राजपाल दिल्ली।
5. प्रसाद,विश्वनाथ भाषा,मोतीलाल बनारसी दास,जवाहर नगर,दिल्ली।
6. सिंह,कर्ण भाषा विज्ञान,साहित्य भण्डार,सुभाष बाजार,मेरठ।
7. वाजपेयी,किशोरी दास **(2008)** भारतीय भाषा विज्ञान,वाणी प्रकाशन जयभारत प्रिटिंग प्रेस,शाहदरा दिल्ली-110032
8. दुबे महेन्दृनाथ एवं दुबे मीनाक्षी **(2010)** भाषा,भाषा विज्ञान,और राजभाषा हिन्दी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

Course Code:	D	H	I	N	5	0	2	Course Title:	आधुनिक काव्य

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	मैथिलीशरण गुप्त की लेखन कुशलता
2	सोकत नवम सर्ग - सारांश एवं प्रंसग सहित व्याख्या
3	सोकत – भाव पक्ष एवं कला पक्ष
4	जयशंकर प्रसाद की लेखन कुशलता
5	कामायनी (चिंन्ता एवं श्रद्धा सर्ग) प्रमुख पद्याशें की सप्रंसग याख्या
6	कामायनी की कथा में इतिहास और कल्पना
7	कामायनी में रुपक तत्व
8	कामायनी का महाकाव्यत्व
9	कामायनी की दार्शनिकता
10	कामायनी का कला पक्ष : भाषा,अंलकार एवं छनद विधान
11	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की लेखन कुशलता,प्रकृति चित्रण
12	राग विराग का सारांश (राम की शकित पूजा,सरोज स्मृति)
13	राम की शकित पूजा एवं सरोज स्मृति के महत्वपूर्ण पद्याशें की याख्या
14	महादेवी वर्मा की शिल्पगत एवं काव्यगत
15	संधिनी कुल दस कविताओं की सप्रंसग याख्या
16	संधिनी – भाव पक्ष एवं कला पक्ष
17	संधिनी – तात्विक समीक्षा
18	अज्ञेय की लेखन कुशलता
19	असाघ्य वीणा का सारांश एवं सप्रंसग याख्या
20	असाघ्य वीणा : काव्य शिल्प
21	असाघ्य वीणा : भाव पक्ष एवं कला पक्ष
22	मुकितबोध की काव्यगत विशेषताएं
23	अंधेरे में : सारांश एवं सप्रंसग याख्या

24	नरेश महिता – नरेश महिता का साहित्यक परिचय एवं काव्यगत विशेषताएं
25	समय देवता कविता के विभिन्न प्रंसगों की याख्या
26	समय देवता में व्यकत संवेदना तत्व
27	समय देवता में शिल्प विधान
28	समय देवता में भाव पक्ष एवं कला पक्ष
29	रामधारी सिंह दिनकर जी की काव्य यात्रा एवं विशेषताएं
30	उर्वशी का महाकाव्यत्व
31	उर्वशी के विभिन्न पात्रों का चरित्र चत्रिण
32	उर्वशी के विभिन्न खण्डों की सप्रंसग व्याख्या उर्वशी में भाव पक्ष एवं कला पक्ष

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. गुप्त मैथिलीशरण (2005) साकेत (नवम सर्ग),लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
2. प्रसाद,जयशंकर कामायनी (चिंन्ता एवं श्रद्धा सर्ग) लोकभारती,इलाहाबाद।
3. निराला सूर्यकान्त त्रिपाठी(2007),राग विराग,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
4. मुकितबोध,गजानन मांधव,अंधेरे में,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. डां. नगेन्द्र सोकत – एक अध्यन,साहित्य भण्डार,आगरा।
6. राम,राजकमल (2007),नरेश महिता की उर्ध्वयात्रा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
7. दिनकर रामधारी सिंह (2010) उर्वशी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
8. महिता,नरेश(2011)बनपाखी सुनो,भारतीय साहित्स संग्रह।

Course Code :	D	H	I	N	5	0	3	Course Title :	नाटक एवं कथेतर गद्य

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	विवरण (Description)
1.	अंधेर नगरी का सारांश,मुख्य उद्देश्य, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
2.	अंधेर नगरी : प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
3.	अंधेर नगरी : भाषा शैली और संवाद योजना
4.	भारतेंदु हरिशचंद्र की लेखन कुशलता
5.	चन्द्र गुप्त का सारांश,मुख्य उद्देश्य, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
6.	चन्द्र गुप्त: प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
7.	चन्द्र गुप्त: भाषा शैली और संवाद योजना
8.	चन्द्र गुप्त: तात्विक समीक्षा
9.	आधे-अधूरे का कथावस्तु एवं मुख्य उद्देश्य, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
10.	आधे-अधूरे: प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
11.	आधे-अधूरे: भाषा शैली और संवाद योजना
12.	आधे-अधूरे: तात्विक समीक्षा एवं मोहन राकेश की लेखन कुशलता
13.	अतीत के चलचित्र का कथावस्तु एवं मुख्य उद्देश्य, प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
14.	अतीत के चलचित्र: प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
15.	अतीत के चलचित्र: भाषा शैली और संवाद योजना
16.	अतीत के चलचित्र : तात्विक समीक्षा एवं महादेवी वर्मा की लेखन कुशलता
17.	अंधायुग-कथासार एवं महत्वपूर्ण गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
18.	धर्मवीर भारती-व्यक्तीत्व कृतित्व एवं अंधा युग की काव्यगत विषेशताएँ
19.	अंधायुग: प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
20.	अंधायुग: अभिनेयता एवं रंगमंचीयता
21.	अपने -अपने अजनबी: कथासार एवं महत्वपूर्ण गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
22.	अपने -अपने अजनबी: प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण

21	अपनी खबर : कथावस्तु,मुख उद्देश्य,प्रुमख गद्याशें की सप्रंसग व्याखया
22	अपनी खबर : प्रुमख पात्रों का चरित्र चित्रण
23	अपनी खबर : भाषा शैली एवं संवाद योजना
24	अपनी खबर : तात्विक समीक्षा,पाण्डेय बच्चन शर्मा उप्त की लेखन कुशलता
25	आषाद का एक दिन : कथावस्तु,मुख उद्देश्य एवं प्रुमख गद्याशें की सप्रंसग व्याखया
26	आषाद का एक दिन : प्रुमख पात्रों का चरित्र चित्रण
27	आषाद का एक दिन : भाषा शैली एवं संवाद योजना
28	आषाद का एक दिन : तात्विक समीक्षा एवं मोहन राकेश की लेखन कुशलता
29	स्मृति लेखा : कथावस्तु,मुख उद्देश्य एवं प्रुमख गद्याशें की सप्रंसग व्याखया
30	स्मृति लेखा : प्रुमख पात्रों का चरित्र चित्रण
31	स्मृति लेखा : भाषा शैली एवं संवाद योजना
32	स्मृति लेखा : तात्विक समीक्षा एवं अज्ञेय की लेखन कुशलता

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. हरीशचन्द्र भारतेव्द्र (2007) अंधेरे नगरी,राजकमल प्रकाश्न, प्राइवेट लिमिटेड,नई दिल्ली।
2. राकेश,मोहन(1980) आधे अधूरे,राधाकृष्ण प्रकाश्न, प्राइवेट लिमिटेड,नई दिल्ली।
3. वर्मा महादेवी (2008) अतीत के चलचित्र, राधाकृष्ण प्रकाश्न, प्राइवेट लिमिटेड,नई दिल्ली।
4. देवी शिवरानी (2008) प्रेमचन्द घर में : आत्मराम एण्ड सन्ज।
5. पाण्डेय बच्चन शर्मा,अपनी खबर।
6. राकेश,मोहन,आषाद का एक दिन।
7. अज्ञेय : स्मृति लेखा

Course Code:	D	H	I	N	5	0	4	Course Title:	अनुवाद एवं कार्यालयी हिन्दी

WEIGHTAGE	
CA	ETE (Th.)
20	80

COURSE CONTENTS:

Sr. No.	Topics
1	अनुवाद शब्द की व्युत्पति एवं परिभाषा,अनुवाद का महत्व
2	अनुवाद : कला अथवा विज्ञान,अनुवाद के गुण
3	अनुवाद के प्रकार शब्दानुवाद,अर्थानुवाद,भावानुवाद
4	अनुवाद की समस्याएं,विशिष्ट पदों का अनुवाद
5	पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद,गद्य रचनाओं का अनुवाद (उपन्यास,नाटक,कहानी,निबंध आदि गद्य रचनाएं)
6	काव्यानुवाद (प्रबन्ध एवं मुक्तक रचनाएं)
7	अनुवाद कार्य में सहायक साधन,कोश,परिभाषिक शब्दावाली विषय विशेष के ग्रथ,कम्प्यूटर
8	रचनात्मक साहित्य का अनुवाद स्वरुप,आवशयकाताएं,समस्याएं और सीमा
9	कार्यालयी हिन्दी - कार्यालयी हिन्दी का अर्थ,स्वरुप और महत्व
10	कार्यालयी हिन्दी – प्रयोग की प्रमुख समस्याएं
11	कार्यालयी हिन्दी का व्याकरणिक,स्वरुप एवं मानवीकरण की समस्याएं
12	कार्यालयी हिन्दी के विकास का सोपान
13	विभिन्न राजभाषा अधिनियम,न्यायालयों में प्रयुकत परिभाषिक शब्दावाली : नाम,पदनाम
14	अहिन्दी क्षेत्रों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की समस्याएं
15	कार्यालयी हिन्दी का अनुप्रयोगत्मक पक्ष
16	आलेखन एवं ुप्रारुपण – सरकारी पत्र,न्यार्यालयोदश
17	विज्ञापन लेखन,अनुस्मारक
18	अध्योदश,अधिनियम,निविद सूचना
19	सरकारी एवं गैर सरकारी पत्र का आलेखन एवं ुप्रारुपण
20	प्रारुपों की सैद्धान्तिक एवं व्यवाहारिक जानकारी
21	कार्यालयी टिप्पणी - स्वरुप एवं प्रकार
22	हिन्दी अनुच्छेदों का अग्रेजी में अनुवाद
23	अग्रेजी अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद
24	वैज्ञानिक विष्यय सामग्री का अनुवाद : स्वरुप
25	वैज्ञानिक विष्यय सामग्री का अनुवाद : आवशयकता एवं समस्याएं
26	तकनीकी विष्यय सामग्री का अनुवाद : स्वरुप
27	तकनीकी विष्यय सामग्री का अनुवाद : आवशयकता एवं समस्याएं
28	वणिडय एवं व्यवसायिक क्षेत्र की विष्यय सामग्री का अनुवाद : स्वरुप

29	**वणिडय एवं व्यवसायिक क्षेत्र की विष्यय सामग्री का अनुवाद : आवशयकता एवं समस्याएं**
30	**बैंक तथा अन्य कार्यालयों में अनुवाद की सामग्री : स्वरुप**
31	**बैंक तथा अन्य कार्यालयों में अनुवाद की सामग्री : आवशयकता एवं समस्याएं**
32	**अनुवाद में आने वाली सामन्य समस्याएं एवं उनका निवारण**

READINGS: SELF LEARNING MATERIAL.

ADDITIONAL READINGS:

1. **कुमार चन्द, जनसंचार माध्यमों में हिन्दी कलासिक पब्लिकेशन,दिल्ली।**
2. **रस्तोगी आलोक कुमार हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद,जीवन ज्योति, दिल्ली।**
3. **श्रीवास्तव,रवीन्द्रनाथ प्रयोजनमूलक हिन्दी,केन्दीय हिन्दी संस्थान,आगरा।**
4. **गेदहे,विनाद हिन्दी पत्रकारिता,स्वरुप औंर संदर्न्भ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।**
5. **त्रिखा नंद किशेर,समाचार,संकलन और लेखन,उतर प्रदेश संस्थान,लखनउ।**
6. **जोशी रामशरण पत्रकारिता में अनुवाद,राधाकृष्ण, दिल्ली।**